चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 16 जुलाई 2026, अंक –312.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

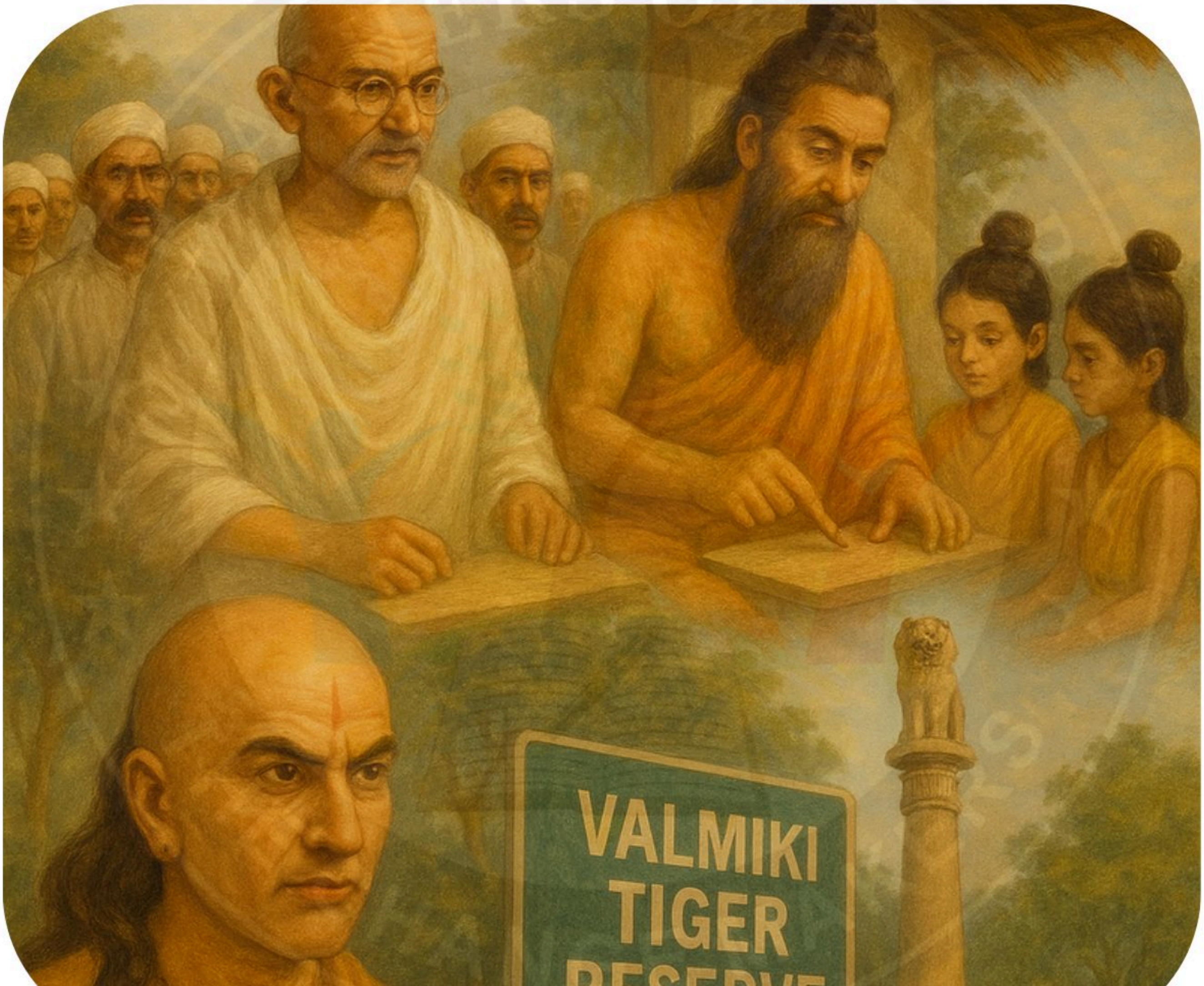

"ज्ञान ही शक्ति है।" — फ्रांसिस बेकन

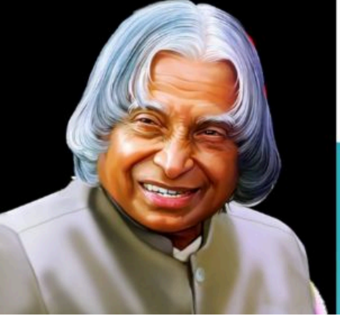

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

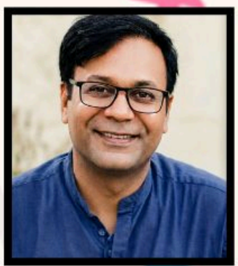

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. श्रीलंका की मुद्रा क्या कहलाती है?
उत्तर: श्रीलंकाई रुपया
प्रश्न 2. भारत के पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त (Chief Election Commissioner) कौन थे?
उत्तर: सुकुमार सेन
प्रश्न 3. 'कुचिपुड़ी' भारत के किस राज्य का प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य है?
उत्तर: आंध्र प्रदेश
प्रश्न 4. यदि किसी संख्या के अंतिम तीन अंक 000 या 8 से पूर्णतः विभाज्य हों, तो वह संख्या किससे विभाज्य होगी?
उत्तर: 8
प्रश्न 5. बिहार में स्थित प्रसिद्ध 'पुनौरा धाम', जिसे माता सीता का जन्मस्थान माना जाता है, किस जिले में है?
उत्तर: सीतामढ़ी
प्रश्न 6. माधव राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: मध्य प्रदेश
प्रश्न 7. डीज़ल इंजन का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: रुडोल्फ डीज़ल
प्रश्न 8. भारत के संविधान के किस भाग में 'राज्य के नीति-निर्देशक तत्व (Directive Principles of State Policy)' दिए गए हैं?
उत्तर: भाग 4
प्रश्न 9. 'आँख का तारा' मुहावरे का क्या अर्थ है?
उत्तर: अत्यंत प्रिय
प्रश्न 10. इंद्रधनुष में कुल कितने रंग होते हैं?
उत्तर: 7

संकलन:-

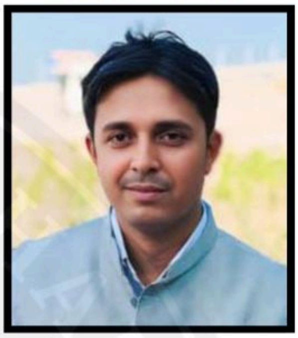

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Owl – (आउल) – उल्लू
Eagle – (ईगल) – चील
Crow – (क्रो) – कौआ
Swan – (स्वॉन) – हंस
Crane – (क्रेन) – सारस
Kingfisher – (किंगफिशर) – रामचिरैया
Woodpecker – (वुडपेकर) – कठफोड़वा

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Imperative Sentences (कक्षा में उपयोग होने वाले निर्देश – 2)

अपनी कॉपी निकालो। – Take out your notebook.
अपना नाम लिखो। – Write your name.
प्रश्न का उत्तर दो। – Answer the question.
अपना हाथ उठाओ। – Raise your hand.
मेरे पीछे दोहराओ। – Repeat after me.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 16 जुलाई को कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है?
उत्तर: विश्व सर्प दिवस (World Snake Day)
व्याख्या: प्रतिवर्ष 16 जुलाई को "विश्व सर्प दिवस" (World Snake Day) मनाया जाता है जो सर्पों की समझ, प्रशंसा और संरक्षण के प्रति समर्पित है। यह व्यक्तियों, समुदायों और संगठनों के लिए विविध सर्प प्रजातियों, उनके आवासों, पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी भूमिका और उनके संरक्षण के बारे में जानने का अवसर है। पहला विश्व सर्प दिवस 2009 में मनाया गया था। (Adda247) विश्व में लगभग 3,700 से अधिक सर्प प्रजातियाँ हैं जिनमें भारत में लगभग 300 प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इनमें से केवल 60 विषैली हैं। भारत में "किंग कोबरा" (Ophiophagus hannah) विश्व का सबसे लंबा विषैला सर्प है। सर्प पारिस्थितिकी तंत्र में कृंतक नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। WHO के अनुसार प्रतिवर्ष विश्व में 5 लाख से अधिक लोग सर्पदंश से प्रभावित होते हैं।
संदर्भ: awarenessdays.com World Snake Day 2026

प्र.2. 14 जुलाई 2026 को भारत का पहला स्वदेशी "हाइड्रोजन ईंधन सेल ट्रेन" (Hydrogen Fuel Cell Train) किस मार्ग पर प्रारंभ होने की घोषणा की गई और इसकी प्रमुख विशेषता क्या है?
उत्तर: जींद–सोनीपत (हरियाणा); शून्य कार्बन उत्सर्जन
व्याख्या: भारतीय रेलवे भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ईंधन सेल ट्रेन हरियाणा के जींद-सोनीपत मार्ग पर शुरू करने के लिए तैयार है। यह ट्रेन केवल जल वाष्प उत्सर्जित करती है, जो शून्य कार्बन उत्सर्जन का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। (The Target Classes) हाइड्रोजन ईंधन सेल तकनीक में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक अभिक्रिया से विद्युत उत्पन्न होती है और उपोत्पाद केवल शुद्ध जल होता है। भारत का लक्ष्य 2030 तक 50 हाइड्रोजन ट्रेनें संचालित करना है। भारतीय रेलवे 2030 तक "नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन" का लक्ष्य हासिल करना चाहता है। यह UPSC GS-III के "स्वच्छ ऊर्जा एवं परिवहन" खंड की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: barristery.in Daily Current Affairs 14 July 2026;

प्र.3. "दक्षिण भारत की कोकिला" कहलाने वाली प्रसिद्ध पार्श्वगायिका एस. जानकी (S. Janaki) का हाल ही में निधन हुआ — उन्होंने अपने करियर में कितनी भाषाओं में गाने गाए और उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार कितनी बार मिला?
उत्तर: लगभग 20 भाषाएँ; 4 बार
व्याख्या: जुलाई 2026 में प्रसिद्ध पार्श्व गायिका सिस्टला श्रीरामामूर्ति (एस.) जानकी, जिन्हें "दक्षिण भारत की कोकिला" (Nightingale of South India) के रूप में जाना जाता है, का कर्नाटक के मैसूर में 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका जन्म 23 अप्रैल 1938 को आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के रेपल्ले में हुआ था। करियर: एस. जानकी ने 1957 में तमिल फिल्म विधिविन विलायट्टु से अपनी पार्श्वगायन यात्रा शुरू की और लगभग 20 भारतीय भाषाओं में 48,000 से अधिक गाने रिकॉर्ड किए। उन्हें सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्वगायिका श्रेणी में 4 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिले। (BARRISTERY) संगीत नाटक अकादमी ने उन्हें फेलोशिप से सम्मानित किया था। उनके निधन से भारतीय फिल्म

प्र.4. "विश्व अमूर्त निवेश रिपोर्ट 2026" (World Intangible Investment Report 2026) के अनुसार भारत की विशिष्ट उपलब्धि क्या रही?
उत्तर: सर्वोच्च अमूर्त निवेश वृद्धि दर — 7.9%
व्याख्या: विश्व अमूर्त निवेश रिपोर्ट 2026 के अनुसार भारत ने विश्व की 15 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वोच्च अमूर्त निवेश वृद्धि दर 7.9% दर्ज की, जापान (4.8%), फिलीपींस (4.6%) और अमेरिका (4.4%) को पीछे छोड़ते हुए। भारत के अमूर्त निवेशों में R&D, सॉफ्टवेयर, डेटाबेस, ब्रांड, डिज़ाइन, संगठनात्मक पूंजी और बौद्धिक संपदा शामिल हैं, जिनमें सॉफ्टवेयर और डेटाबेस का 45% हिस्सा है। (BARRISTERY) "अमूर्त निवेश" (Intangible Investment) वह निवेश है जो भौतिक संपत्ति की बजाय ज्ञान, नवाचार और बौद्धिक पूंजी में होता है। यह WIPO की रिपोर्ट थी। भारत का कुल अमूर्त निवेश USD 78.2 अरब तक पहुँचा। यह UPSC GS-III (भारतीय अर्थव्यवस्था एवं नवाचार) की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: barristery.in Daily Current Affairs 14 July 2026;

प्र.5. "भारत-इंग्लैंड के बीच 1757 से पहले" के युग में किस मुगल सम्राट के शासनकाल में भारत की GDP विश्व GDP का लगभग 24% थी जिसे "सोने की चिड़िया" के रूप में वर्णित किया जाता था?
उत्तर: औरंगज़ेब
व्याख्या: अर्थशास्त्री एंगस मैडिसन के अनुमान के अनुसार 1700 ई. में — मुगल सम्राट औरंगज़ेब के शासनकाल के अंत में — भारत की GDP विश्व की कुल GDP का लगभग 24% थी जबकि पश्चिमी यूरोप का हिस्सा मात्र 23% था। यह भारत को उस समय का सबसे बड़ा आर्थिक शक्ति देश बनाता था। औरंगज़ेब (1658-1707) के काल में मुगल साम्राज्य अपने अधिकतम भू-विस्तार पर था। इसी आर्थिक समृद्धि ने यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों — ईस्ट इंडिया कंपनी, VOC — को भारत की ओर आकर्षित किया। 1947 में स्वतंत्रता के समय भारत की GDP केवल 4% रह गई थी — यह औपनिवेशिक शोषण का परिणाम था। UPSC GS-I के आर्थिक इतिहास खंड में यह तथ्य अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: NCERT History Class 7, Ch 4 The Mughal Empire, p. 54–60

प्र.6. "भारत टेक्स 2026" (Bharat Tex 2026) किस स्थान पर आयोजित हो रहा है और भारतीय वस्त्र उद्योग का वैश्विक वस्त्र निर्यात में कितना हिस्सा है?

उत्तर: भारत मंडपम, नई दिल्ली; लगभग 4-5%

व्याख्या: भारत 14 से 17 जुलाई 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में विश्व के सबसे बड़े वस्त्र प्रदर्शनियों में से एक "भारत टेक्स 2026" की मेजबानी करेगा। (FreeJobAlert) "भारत टेक्स" भारत के वस्त्र उद्योग की वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को प्रदर्शित करने का सबसे बड़ा मंच है। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा वस्त्र एवं परिधान उत्पादक देश है। वैश्विक वस्त्र निर्यात में भारत का हिस्सा लगभग 4-5% है, जबकि चीन का हिस्सा लगभग 35% है। भारत सरकार का लक्ष्य 2030 तक वस्त्र निर्यात को $100 अरब तक ले जाना है। "PM MITRA (Mega Integrated Textile Region and Apparel)" योजना के अंतर्गत 7 मेगा टेक्सटाइल पार्क बनाए जा रहे हैं। कपास, जूट, रेशम और ऊन भारत के प्रमुख वस्त्र कच्चे माल हैं।

संदर्भ: currentaffairs.adda247.com 14 July 2026 — Bharat Tex 2026;

प्र.7. "लद्दाख में अनुच्छेद 371" की संभावित प्रासंगिकता के संदर्भ में — भारतीय संविधान के अनुच्छेद 371 के अंतर्गत किन राज्यों को विशेष प्रावधान दिए गए हैं?

उत्तर: नागालैंड (371A), असम (371B), मणिपुर (371C), आंध्र प्रदेश (371D/E), सिक्किम (371F), मिजोरम (371G), अरुणाचल (371H), गोवा (371I), कर्नाटक (371J), आंध्र प्रदेश (371-O)

व्याख्या: केंद्र सरकार लद्दाख में स्थानीय स्वशासन को मजबूत करने के लिए केंद्र शासित प्रदेश के प्रत्येक जिले में स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (AHDC) की स्थापना की घोषणा के बाद सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। (FreeJobAlert) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 371 पूर्वोत्तर और अन्य राज्यों को विशेष प्रावधान देता है। अनुच्छेद 371A नागालैंड की प्रथागत कानून एवं धार्मिक प्रथाओं की रक्षा करता है। अनुच्छेद 371F सिक्किम के विलय (1975) की विशेष परिस्थितियों को संरक्षित करता है। लद्दाख में 2019 के बाद से लेह और कारगिल के लिए अलग लोकतांत्रिक संरचना की माँग की जा रही है। यह UPSC GS-II के "संघवाद और विशेष प्रावधान" के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण विषय है।

संदर्भ: currentaffairs.adda247.com 14 July 2026 — Article 371 Ladakh;

प्र.8. "AS-HAPS" (Airship-based High Altitude Pseudo Satellite) कार्यक्रम क्या है जिसे भारत ने हाल ही में शुरू किया?

उत्तर: समतापमंडलीय निगरानी एयरशिप कार्यक्रम; ₹15,000 करोड़

व्याख्या: भारत ने लंबे समय तक निगरानी मिशनों के लिए डिज़ाइन किए गए स्वदेशी समतापमंडलीय एयरशिप के लिए "एयरशिप-आधारित हाई एल्टीट्यूड स्यूडो सैटेलाइट (AS-HAPS)" कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम का अनुमानित व्यय ₹15,000 करोड़ है। (The Target Classes) AS-HAPS एक उच्च-ऊंचाई वाला एयरशिप होगा जो समतापमंडल (Stratosphere) में 20-25 किमी की ऊँचाई पर महीनों तक उड़ सकता है। यह उपग्रह और विमान के बीच की खाई को पाटता है — इसलिए इसे "स्यूडो-सैटेलाइट" (Pseudo Satellite) कहते हैं। इसका उपयोग सीमा निगरानी, आपदा प्रबंधन, संचार रिले और पर्यावरण निगरानी में होगा। पारंपरिक उपग्रहों की तुलना में यह अत्यंत कम लागत पर स्थायी निगरानी प्रदान करता है।

संदर्भ: gktoday.in Current Affairs 14 July 2026;

प्र.9. "मलमल" (Muslin) के लिए विश्वप्रसिद्ध "ढाका मलमल" की बुनावट परंपरा का UNESCO की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में किस वर्ष समावेश हुआ — और भारत में मलमल के लिए प्रसिद्ध "चंदेरी" किस राज्य में है?

उत्तर: 2013 में (बांग्लादेश); मध्य प्रदेश

व्याख्या: "ढाका मलमल" (Dhaka Muslin) अपनी अत्यंत महीन बुनावट के लिए विश्वप्रसिद्ध है — मुगल काल में इसे "बुने हुए वायु" (Woven Air) कहा जाता था। UNESCO ने 2013 में ढाका मलमल की बुनावट परंपरा को बांग्लादेश की "अमूर्त सांस्कृतिक विरासत" सूची में सम्मिलित किया। भारत में मलमल के लिए "चंदेरी" (Chanderi) मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले में स्थित है जो अपनी "चंदेरी साड़ी" के लिए विश्वप्रसिद्ध है। "भागलपुरी सिल्क" (तसर सिल्क) बिहार की प्रमुख वस्त्र परंपरा है। "Bharat Tex 2026" के संदर्भ में भारतीय वस्त्र विरासत का ज्ञान UPSC एवं BPSC के लिए प्रासंगिक है।

संदर्भ: UNESCO Intangible Cultural Heritage — Muslin of Bangladesh, 2013;

प्र.10. बिहार के "भागलपुर जिले" में "उजानी" और "हिलसा" क्षेत्र किस लिए प्रसिद्ध हैं और यहाँ मनाई जाने वाली "बिहुला-विषहरी" पर्व किस लोककथा पर आधारित है?

उत्तर: तसर/रेशम उद्योग; मनसा देवी और बिहुला-बाला की लोककथा

व्याख्या: भागलपुर "सिल्क सिटी ऑफ इंडिया" के नाम से विख्यात है। यहाँ "तसर सिल्क" (Tasar Silk) का उत्पादन प्रमुखता से होता है। "उजानी" और "हिलसा" क्षेत्रों में पारंपरिक बुनकर समुदाय (जुलाहे) पीढ़ियों से रेशम बुनाई करते हैं। "बिहुला-विषहरी" (भादो शुक्ल पंचमी) का पर्व "मनसा देवी" (सर्पों की देवी) को समर्पित है और बिहुला-बाला की लोककथा पर आधारित है जिसमें एक पतिव्रता स्त्री अपने मृत पति को पुनर्जीवित करने के लिए देवताओं से संघर्ष करती है। यह बिहार की समृद्ध लोक-संस्कृति का अभिन्न अंग है। "भागलपुरी सिल्क" को GI Tag प्राप्त है और "Bharat Tex 2026" में इसका विशेष प्रदर्शन था।

संदर्भ: GI Registry India — Bhagalpur Silk; Bihar Craft Heritage — SCERT Bihar;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के जुलाई माह के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, "सर्पदंश" (Snakebite) जो बाढ़ के दौरान अत्यधिक बढ़ जाता है — उससे बचाव के लिए बच्चों को क्या सिखाया जाता है?

उत्तर: ऊँचे स्थान पर रहें, टॉर्च उपयोग करें, घास में न जाएँ, तुरंत अस्पताल जाएँ

व्याख्या: BSDMA के बाढ़ सुरक्षा एवं स्वास्थ्य मॉड्यूल (जुलाई W3-W4) के अनुसार, बाढ़ के दौरान सर्प अपने बिलों से निकलकर ऊँचे स्थानों पर शरण लेते हैं जिससे मानव-सर्प संघर्ष की घटनाएँ अत्यधिक बढ़ जाती हैं। बच्चों को निम्न निर्देश दिए जाते हैं: (1) जमीन पर नंगे पाँव न चलें, जूते-चप्पल पहनें; (2) रात में टॉर्च का उपयोग करें; (3) बाढ़ के पानी में छलाँग न लगाएँ; (4) घास, पत्थरों के ढेर और मलबे के पास न जाएँ जहाँ सर्प छिप सकते हैं; (5) सर्पदंश होने पर घाव को चूसें नहीं — तुरंत नजदीकी अस्पताल जाएँ जहाँ एंटी-स्नेक वेनम (ASV) उपलब्ध हो। उत्तर बिहार के बाढ़-प्रवण जिलों में सर्पदंश से मृत्यु एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है।

संदर्भ: BSDMA Flood Health Safety Module — Snakebite Protocol, July W3; bsdma.org;

प्र.12. सौरव गांगुली 2026 में ICC हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए। यदि उनके एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय (ODI) करियर में 311 मैचों में 11,363 रन हैं, तो उनका ODI बल्लेबाज़ी औसत लगभग कितना है? (मान लें: 282 पारियाँ, 35 बार नाबाद)

उत्तर: लगभग 41.02

व्याख्या: बल्लेबाज़ी औसत = कुल रन ÷ (कुल पारियाँ - नाबाद पारियाँ)। = 11,363 ÷ (282 - 35) = 11,363 ÷ 247 ≈ 41.02। क्रिकेट में बल्लेबाज़ी औसत की गणना इसी सूत्र से होती है — नाबाद (Not Out) पारियों में खिलाड़ी की पारी "पूर्ण" नहीं मानी जाती, इसलिए उन्हें घटाया जाता है। सौरव गांगुली (जन्म: 8 जुलाई 1972) भारत के सर्वश्रेष्ठ ODI बल्लेबाज़ों में से एक हैं। सौरव गांगुली 2026 में ICC हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए। (FreeJobAlert) "औसत" (Average) की गणना प्रतियोगी परीक्षाओं में सांख्यिकी एवं खेल GK दोनों में उपयोगी है।

GK संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण ।

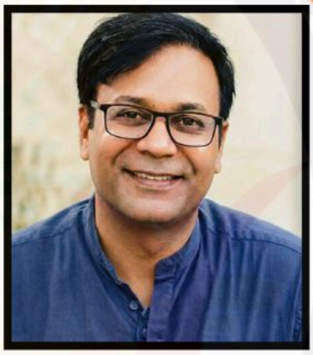

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Impeccunious (इम्पेक्यूनियस) = Penniless (पेनीलेस) = निर्धन / धनहीन

Antonym – Affluent (ऐफ्लुएन्ट) = समृद्ध / धनी

Laconic (लैकोनिक) = Concise (कन्साइस) = कम शब्दों में बोलने वाला / संक्षिप्त

Antonym – Verbose (वर्बोज़) = शब्दाडंबरपूर्ण / अधिक बोलने वाला

Munificent (म्यूनिफिसेन्ट) = Generous (जेनरस) = अत्यंत उदार

Antonym – Miserly (माइज़रली) = कंजूस

Obdurate (ऑब्ड्यूरेट) = Stubborn (स्टबर्न) = हठी / अडिग

Antonym –Compliant (कम्प्लायन्ट) = आज्ञाकारी / मान जाने वाला

Perfunctory (परफंक्टरी) = Cursory (कर्सरी) = औपचारिक / बिना रुचि के किया गया

Antonym – Thorough (थरो) = पूरी सावधानी और गहराई से किया गया

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: NITI Aayog Releases 'India Innovation Index 2026': Karnataka Retains Top Spot Among Major States, Telangana and Maharashtra Follow.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने 'भारत नवाचार सूचकांक (इंडिया इनोवेशन इंडेक्स) 2026' जारी किया: प्रमुख राज्यों में कर्नाटक ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा, तेलंगाना और महाराष्ट्र दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम नवाचार सूचकांक में कर्नाटक ने नवाचार (Innovation) और तकनीकी विकास के मामले में देश भर में पहला स्थान हासिल किया है। इस सूचकांक में राज्यों का मूल्यांकन मानव पूंजी, निवेश, व्यापारिक पर्यावरण और सुरक्षा जैसे प्रमुख संकेतकों के आधार पर किया गया। पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों की श्रेणी में उत्तराखंड शीर्ष स्थान पर रहा।

English Headline: NITI Aayog Releases 'India Innovation Index 2026': Karnataka Retains Top Spot Among Major States, Telangana and Maharashtra Follow.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने 'भारत नवाचार सूचकांक (इंडिया इनोवेशन इंडेक्स) 2026' जारी किया: प्रमुख राज्यों में कर्नाटक ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा, तेलंगाना और महाराष्ट्र दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम नवाचार सूचकांक में कर्नाटक ने नवाचार (Innovation) और तकनीकी विकास के मामले में देश भर में पहला स्थान हासिल किया है। इस सूचकांक में राज्यों का मूल्यांकन मानव पूंजी, निवेश, व्यापारिक पर्यावरण और सुरक्षा जैसे प्रमुख संकेतकों के आधार पर किया गया। पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों की श्रेणी में उत्तराखंड शीर्ष स्थान पर रहा।

English Headline: Ministry of Earth Sciences Launches 'Samudraayan-II' Deep Ocean Mission to Explore Hydrothermal Vents and Mineral Deposits in the Central Indian Ocean.
हिन्दी अनुवाद: पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने मध्य हिंद महासागर में हाइड्रोथर्मल वेंट्स और खनिज भंडारों की खोज के लिए 'समुद्रयान-II' डीप ओशन मिशन का शुभारंभ किया।
भारत ने अपने गहरे समुद्र के रहस्यों को उजागर करने और समुद्री संसाधनों का पता लगाने के लिए समुद्रयान अभियान के दूसरे चरण को हरी झंडी दे दी है। इस मिशन के तहत स्वदेशी रूप से विकसित मानवयुक्त पनडुब्बी 'मत्स्य 6000' को अधिक गहराई पर अत्याधुनिक सेंसरों के साथ भेजा जाएगा, जो पॉलीमेटैलिक नोड्यूल्स (बहुमूल्य खनिजों) के टिकाऊ और सुरक्षित दोहन के तरीकों का अध्ययन करेगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: United Nations Convention to Combat Desertification (UNCCD) Initiates 'Global Green Wall Alliance' to Reverse Soil Degradation Across Drylands.
हिन्दी अनुवाद: मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (UNCCD) ने शुष्क क्षेत्रों में मिट्टी के क्षरण को रोकने के लिए 'ग्लोबल ग्रीन वॉल एलायंस' की शुरुआत की।
वैश्विक स्तर पर बंजर भूमि को उपजाऊ बनाने और वनीकरण को बढ़ावा देने के लिए UNCCD ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय सहयोग की घोषणा की है। इस वैश्विक गठबंधन के तहत अफ्रीका के साहेल क्षेत्र और मध्य एशिया के शुष्क क्षेत्रों में हरित पट्टी विकसित की जाएगी, जिससे जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने और जैव विविधता को बहाल करने में मदद मिलेगी।

English Headline: International Energy Agency (IEA) Publishes 'Global EV Outlook 2026', Highlighting Electric Vehicle Sales Tripled in Emerging Markets Over Last Two Years.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) ने 'ग्लोबल ईवी आउटलुक 2026' प्रकाशित किया, जिसमें पिछले दो वर्षों में उभरते बाजारों में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में तीन गुना वृद्धि को रेखांकित किया गया।
IEA की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, टिकाऊ परिवहन प्रणालियों के प्रति बढ़ते झुकाव और सब्सिडी नीतियों के सकारात्मक असर के कारण एशिया और लैटिन अमेरिका के उभरते बाजारों में इलेक्ट्रिक वाहनों (EVs) की मांग में अप्रत्याशित उछाल आया है। रिपोर्ट में बैटरी प्रौद्योगिकी में सुधार और चार्जिंग बुनियादी ढांचे के तेजी से हो रहे विकास को इस प्रगति का मुख्य कारण बताया गया है।

English Headline: India and Nepal Sign Historic Power Export Agreement Targeting 10,000 MW of Hydropower Trade Over the Next Decade.
हिन्दी अनुवाद: भारत और नेपाल ने अगले एक दशक में 10,000 मेगावाट जलविद्युत व्यापार के लक्ष्य के साथ एक ऐतिहासिक बिजली निर्यात समझौते पर हस्ताक्षर किए।
दोनों पड़ोसी देशों ने द्विपक्षीय ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इस दीर्घकालिक समझौते के तहत नेपाल से उत्पादित स्वच्छ जलविद्युत को भारतीय पावर ग्रिड के माध्यम से आयात किया जाएगा, जो दक्षिण एशियाई क्षेत्र में हरित ऊर्जा पारगमन और आर्थिक सहयोग को एक नई दिशा प्रदान करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves Setup of Specialized 'Start-up Incubation Centres' in Major U
in Patna, Muzaffarpur, and Darbhanga.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने पटना, मुजफ्फरपुर और दरभंगा के प्रमुख विश्वविद्यालयों में विशेष 'स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन केंद्र' स्थापित करने को मंजूरी दी।
बिहार में युवा उद्यमियों को आकर्षित करने और नवाचार को जमीनी स्तर पर बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों में ही बुनियादी ढांचा विकसित करने का निर्णय लिया है। इन इनक्यूबेशन केंद्रों के माध्यम से छात्रों को अपने व्यावसायिक विचारों (Business Ideas) को वास्तविकता में बदलने के लिए मेंटरशिप, कानूनी सलाह और शुरुआती वित्तीय सहायता प्राप्त होगी।

English Headline: Bihar State Forestry Department Launches 'Haryali Mission 2.0' Targeting the Planting of 5 Crore Saplings to Boost Forest Cover to 15%.
हिन्दी अनुवाद: बिहार राज्य वन विभाग ने राज्य के हरित आवरण को बढ़ाकर 15% करने के लक्ष्य के साथ 5 करोड़ पौधे लगाने के लिए 'हरियाली मिशन 2.0' की शुरुआत की।
पर्यावरण संतुलन और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वन विभाग ने एक व्यापक वृक्षारोपण अभियान शुरू किया है। इस योजना के तहत राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सड़क के किनारों, सरकारी जमीनों और सामुदायिक क्षेत्रों में स्थानीय प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए जीविका (JEEViKA) दीदियों और स्थानीय पंचायतों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

SPORTS NEWS

English Headline: India’s Javelin Star Neeraj Chopra Secures Gold Medal at Paris Athletics Diamond League Meet 2026 with a Throw of 89.45 Meters.
हिन्दी अनुवाद: भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पेरिस एथलेटिक्स डायमंड लीग मीट 2026 में 89.45 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता।
पेरिस में आयोजित प्रतिष्ठित डायमंड लीग स्पर्धा में नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर भारत का परचम लहराया। उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में 89.45 मीटर की दूरी तय कर प्रतिद्वंद्वियों पर बढ़त बना ली और अंत तक अपनी स्थिति मजबूत रखते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा किया, जो आगामी विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए उनके मजबूत इरादों को दर्शाता है।

English Headline: International Cricket Council (ICC) Formally Announces Integration of AI-Assisted Smart Review Systems to Curb Out-of-Ground Ball Disputes.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने मैदान से बाहर गई गेंदों के विवादों को सुलझाने के लिए एआई-सहायता प्राप्त स्मार्ट समीक्षा प्रणाली को एकीकृत करने की औपचारिक घोषणा की।
क्रिकेट के नियमों को अधिक आधुनिक और त्रुटिहीन बनाने के लिए आईओसी ने एक नई तकनीक लागू की है। आगामी प्रमुख टूर्नामेंटों में सीमा रेखा (बाउंड्री) और दर्शकों के दीर्घा में जाने वाली विवादित गेंदों की सटीक ट्रैकिंग के लिए उच्च-सटीक कैमरों और एआई सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाएगा, जिससे अंपायरों को निर्णय लेने में आसानी होगी और खेल के समय की बचत होगी।

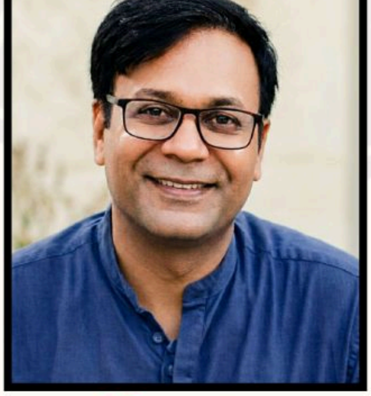

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

🎯 "परिश्रम वह सोना है जो हर कसौटी पर खरा उतरता है — पढ़ते रहो, बढ़ते रहो।"

BPSC 72वीं CCE: 26 जुलाई 2026 — अब मात्र 12 दिन शेष। अंतिम तैयारी में जुट जाएँ!

प्रेरक प्रसंग

नया कौशल

विद्यालय में विज्ञान की कक्षा चल रही थी। मोहन सर अपने साथ एक पुराना टाइपराइटर और एक आधुनिक लैपटॉप लेकर आए। दोनों वस्तुओं को मेज़ पर रखते हुए उन्होंने बच्चों से पूछा, “बताओ बच्चों, इनमें से कौन अधिक उपयोगी है?”

कक्षा में कई उत्तर सुनाई दिए। तभी राजू खड़ा हुआ और बोला, “सर, दोनों अपने समय में महत्वपूर्ण रहे होंगे, लेकिन आज के समय में लैपटॉप अधिक उपयोगी है।”
मोहन सर मुस्कुराए और बोले, “बिल्कुल सही। समय बदलता है, इसलिए हमें भी अपने ज्ञान और कौशल को समय के साथ विकसित करना चाहिए।”
फिर उन्होंने बच्चों को एक छोटी-सी कहानी सुनाई।

“एक ही गाँव के दो युवक नौकरी की तलाश में शहर गए। दोनों के पास समान शैक्षणिक योग्यता थी। पहला युवक सोचता था कि पढ़ाई पूरी हो गई, अब कुछ नया सीखने की आवश्यकता नहीं है। दूसरा युवक हर दिन थोड़ा समय निकालकर कंप्यूटर, संचार-कौशल और नई तकनीकों का प्रशिक्षण लेने लगा।

कुछ महीनों बाद दोनों ने एक ही कंपनी में नौकरी के लिए आवेदन किया। पहले युवक के पास केवल डिग्री थी, जबकि दूसरे के पास डिग्री के साथ उपयोगी कौशल भी था। कंपनी ने उसी युवक का चयन किया, क्योंकि वह बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार कर चुका था।”
कहानी समाप्त करते हुए मोहन सर ने कहा, “बच्चों, केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाना ही पर्याप्त नहीं है। हर वर्ष एक नया कौशल सीखने का प्रयास करो। यही कौशल भविष्य में तुम्हारी सबसे बड़ी ताकत बनेगा।”
राजू ने उसी दिन निश्चय किया कि वह पढ़ाई के साथ-साथ कंप्यूटर, विज्ञान के प्रयोग और नई तकनीकों का ज्ञान भी प्राप्त करेगा।

प्रेरणा : समय के साथ जो स्वयं को विकसित करता है, वही आगे बढ़ता है।
डिग्री अवसर का द्वार खोलती है, लेकिन कौशल उस अवसर को सफलता में बदल देता है।
"सीखना कभी मत छोड़िए, क्योंकि बदलती दुनिया में सबसे सफल वही है, जो स्वयं को हर दिन पहले से बेहतर बनाता है।"

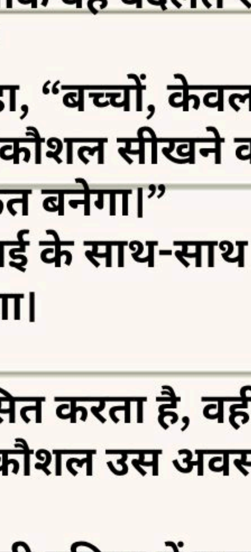

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"शिक्षक संवर्धन"

अभिभावक-शिक्षक संबंध और SMC — जब समुदाय थामता है स्कूल का हाथ

शिक्षक साथियों, एक बहुत पुरानी और मशहूर कहावत है— "एक बच्चे को पूरा इंसान बनाने के लिए पूरे गांव की जरूरत होती है।" हम चाहे जितनी बेहतरीन शिक्षण विधियों का उपयोग कर लें या कक्षा को कितना भी सुंदर बना लें, लेकिन यदि बच्चे के घर का माहौल और उसके माता-पिता हमारे साथ नहीं जुड़े हैं, तो हमारी मेहनत का परिणाम आधा ही रह जाएगा। विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) और अभिभावक-शिक्षक बैठक (PTM) केवल एक सरकारी औपचारिकता या फाइलों को भरने का जरिया नहीं हैं, बल्कि ये स्कूल की तरक्की के वो सबसे बड़े औजार हैं जो समुदाय में हमारे प्रति विश्वास पैदा करते हैं।

RTE Act 2009 की धारा 21 के तहत गठित SMC में 75% सदस्य अभिभावक होते हैं, जिनमें आधी महिलाएं होती हैं। इसका सीधा सा मतलब यह है कि सरकार चाहती है कि स्कूल के संचालन में स्थानीय समाज की सीधी भागीदारी हो। जब अभिभावक स्कूल को "सरकार का स्कूल" न मानकर "हमारे बच्चों का स्कूल" समझने लगते हैं, तो स्कूल की आधी समस्याएं (जैसे— बच्चों की अनियमित उपस्थिति, साफ-सफाई, और संसाधनों की कमी) स्वतः हल होने लगती हैं।

उदाहरण और व्यावहारिक दृष्टिकोण:

आइए इसे अपने ग्रामीण परिवेश की एक वास्तविक स्थिति से समझते हैं कि कैसे हम एक रूखे संबंध को एक संवेगात्मक और सहयोगात्मक रिश्ते में बदल सकते हैं:

- पारंपरिक तरीका (शिकायत भरा रवैया): शिक्षक केवल तब अभिभावक को स्कूल बुलाता है जब बच्चा कोई गलती करता है या फेल हो जाता है। जब रामू के पिता स्कूल आते हैं, तो शिक्षक कहता है— "आपका लड़का बिल्कुल पढ़ता नहीं है, रोज़ गंदा होकर आता है, आप लोग घर पर ध्यान ही नहीं देते।" नतीजा यह होता है कि रामू के पिता हीनभावना और गुस्से से भर जाते हैं। वे अगली बार स्कूल आने से कतराते हैं और घर जाकर रामू को पीट देते हैं।
- सकारात्मक संबंध तकनीक (नया दृष्टिकोण): आप महीने के अंत में एक मज़ेदार PTM रखते हैं। जब रामू के पिता आते हैं, तो आप सबसे पहले रामू द्वारा बनाई गई एक सुंदर पेंटिंग या उसकी कार्यपुस्तिका (Workbook) का एक साफ़ पन्ना उन्हें दिखाते हैं। आप कहते हैं— "राजू के पापा, देखिए आपके बेटे ने कितना सुंदर चित्र बनाया है! बस, यह रोज़ स्कूल आने लगे तो बगाहा में सबसे अव्वल आएगा।" इसके बाद आप प्यार से उसकी कमियों पर चर्चा करते हैं।

जब रामू के पिता स्कूल से बाहर निकलेंगे, तो उनका सीना गर्व से चौड़ा होगा। वे पूरे गांव में आपकी तारीफ करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि रामू एक दिन भी स्कूल मिस न करे।

शिक्षक साथियों, SMC को सक्रिय और मज़बूत बनाने के लिए हमें कुछ व्यावहारिक कदम उठाने होंगे:

1. मासिक बैठकों को रोचक बनाएं: SMC की बैठक में केवल वित्तीय चर्चा न करें। उन्हें बच्चों द्वारा की गई गतिविधियां दिखाएं, 'कबाड़ से जुगाड़' (TLM) की प्रदर्शनी दिखाएं। उन्हें महसूस कराएं कि उनके सुझावों का सम्मान होता है।
2. स्थानीय संसाधनों का सहयोग (सामुदायिक जुड़ाव): यदि स्कूल की कोई खिड़की टूट गई है या बगीचे की घेराबंदी करनी है, तो SMC के माध्यम से किसी स्थानीय बढ़ई या किसान भाई से सहयोग लें। जब समाज अपना श्रम या संसाधन स्कूल को देता है, तो वह स्कूल का रक्षक बन जाता है।
3. गृह संपर्क (Home Visits): समय मिलने पर गाँव के टोलों में जाएं। जब एक प्रधान शिक्षक या वर्ग शिक्षक खुद किसी गरीब या वंचित परिवार के दरवाजे पर खड़ा होता है, तो वह सम्मान उस परिवार के लिए पूरी दुनिया बदल देता है। नामांकन और ठहराव (Retention) की समस्या यहीं से समाप्त होती है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि स्कूल कोई द्वीप (Island) नहीं है जो समाज से कटकर अलग रह सके। स्कूल समाज का आईना है। जब शिक्षक और अभिभावक मिलकर एक ही भाषा बोलने लगते हैं, तो बच्चे के विकास की गति चौगुनी हो जाती है। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपके स्कूल की SMC आपके सुख-दुख की साथी है? क्या हम कल से अभिभावकों के साथ एक सकारात्मक संवाद की नई शुरुआत कर सकते हैं?

..................✍️

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का

■ गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण–ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगिण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

"सरकारी विद्यालयो मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चो के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियो के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयो के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूरन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : मुंगेर, अंक–2"

'संपादकीय'✍️

मुंगेर: दानवीर कर्ण की भूमि, मीर कासिम का किला और योग की वैश्विक चेतना

मुंगेर का इतिहास प्राचीन आर्यावर्त के उस कालखंड से जुड़ा है जहाँ मिथक और इतिहास एक दूसरे में विलीन हो जाते हैं। महाभारत काल में यह क्षेत्र अंग साम्राज्य का हिस्सा था, जिसकी बागडोर स्वयं महायोध्दा और दानवीर राजा कर्ण के हाथों में थी। मुंगेर शहर में आज भी स्थित 'कर्ण चौरा' (एक ऊँचा ऐतिहासिक टीला) उस कालखंड की मूक गवाही देता है, जहाँ बैठकर कर्ण प्रतिदिन सवा मन सोना दान किया करते थे। बौद्ध काल में 'मोदगिरि' के नाम से विख्यात यह भूमि पाल शासक देवपाल की राजधानी भी रही। यहाँ के चट्टानी ढालों और गंगा के मोड़ों ने इसे प्राचीन काल से ही पूरे पूर्वी भारत का एक सबसे महत्वपूर्ण सामरिक और सैन्य नियंत्रण केंद्र (Military Stronghold) बनाए रखा।

आधुनिक इतिहास के पन्नों में मुंगेर का नाम ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ भारतीय स्वाभिमान और प्रतिरोध का सबसे बड़ा प्रतीक बनकर उभरा। सन 1761 में बंगाल के नवाब मीर कासिम ने अंग्रेजों की साज़िशों से दूर रहने और अपनी सेना को आधुनिक बनाने के लिए मुर्शिदाबाद से हटाकर मुंगेर को अपनी राजधानी बनाया। गंगा के किनारे स्थित मुंगेर का ऐतिहासिक किला और उसके भीतर मीर कासिम द्वारा स्थापित बंदूक और बारूद निर्माण की फैक्ट्रियां इस बात का प्रमाण थीं कि भारतीय शासक तकनीकी रूप से अंग्रेजों को टक्कर देने के लिए तत्पर थे। यद्यपि बक्सर के युद्ध (1764) के बाद यह किला अंग्रेजों के अधीन चला गया, लेकिन यहाँ के कारीगरों के हाथों में ढली बंदूकों की कला आज भी मुंगेर की एक विशिष्ट पहचान बनी हुई है।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में मुजफ्फरपुर और चंपारण की तरह ही मुंगेर की क्रांतिकारी चेतना अग्रिम पंक्ति में धधक रही थी। सन 1922-23 में शाह मुहम्मद ज़ुबैर और बाबू श्रीकृष्ण सिंह के नेतृत्व में मुंगेर में देश का पहला किसान मुज़ाहिरा और समानांतर आंदोलन खड़ा हुआ, जिसने महात्मा गांधी का ध्यान आकर्षित किया। सन 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान यह जिला एक धधकती हुई भट्टी बन गया था। तारापुर शहीद दिवस (15 फरवरी 1932) का इतिहास जलियांवाला बाग से कम बर्बर नहीं था, जहाँ तारापुर थाने पर तिरंगा फहराने के प्रयास में ब्रिटिश पुलिस की अंधाधुंध गोलियों से 34 युवा क्रांतिकारी शहीद हो गए थे। तारापुर के इन अनसुने शहीदों का रक्त आज भी मुंगेर की मिट्टी को राष्ट्रवाद का एक पावन तीर्थ बनाता है।

वैश्विक फलक पर मुंगेर की सबसे अनूठी और आधुनिक पहचान यहाँ की आध्यात्मिक मेधा है। सन 1963 में परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती द्वारा स्थापित बिहार योग विद्यालय (Bihar School of Yoga) दुनिया का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जहाँ योग को एक वैज्ञानिक और शैक्षणिक पद्धति के रूप में स्थापित किया गया। गंगा के तट पर स्थित 'गंगा दर्शन' परिसर से पल्लवित हुई इस योग चेतना ने पूरे विश्व—अमेरिका से लेकर यूरोप और ऑस्ट्रेलिया तक—के खोजी यात्रियों को मुंगेर की ओर आकर्षित किया। यही कारण है कि मुंगेर को वैश्विक मानचित्र पर 'विश्व योग राजधानी' (Yoga Capital of the World) के रूप में एक अत्यंत प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त है।

मुंगेर का यह दूसरा ऐतिहासिक अंक यह स्पष्ट करता है कि यहाँ की मिट्टी में पराक्रम, प्रतिरोध और आत्मिक शांति का एक अद्भुत समन्वय है। दानवीर कर्ण का त्याग हो, मीर कासिम की बंदूकों की गूँज हो, तारापुर के शहीदों का अमर बलिदान हो या स्वामी सत्यानंद की योग चेतना—ये सभी तत्व मिलकर मुंगेर को केवल एक प्रशासनिक जिला नहीं, बल्कि भारतीय मेधा और स्वाभिमान का एक शाश्वत महाकाव्य बनाते हैं। ....✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-9

"मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा"
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा- 2

दैनिक जागरण
www.jagran.com

जिलास्तर की प्रतियोगिता में बगहा दो का दबदबा

- क्विज, गणित ओलंपियाड और चित्रांकन प्रतियोगिता में पांच छात्राओं ने जीता दूसरा स्थान
- बगहा दो प्रखंड के आठ विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में किया अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

संवाद सूत्र, जागरण • बगहा: बिहार दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय गणित ओलंपियाड, क्विज प्रतियोगिता और चित्रांकन प्रतियोगिता में बगहा दो प्रखंड के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विभिन्न वर्गों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों में से पांच छात्राओं ने जिला स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर प्रखंड का नाम रोशन किया। क्विज प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय बोदसर की छात्रा अनुष्का कुमारी ने वर्ग एक से पांच में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं मध्य विद्यालय पटखौली-मलकौली की छात्रा आराध्या कुमारी ने वर्ग छह से आठ में दूसरा स्थान हासिल किया। इसी प्रतियोगिता में प्रोजेक्ट बालिका प्लस टू विद्यालय पटखौली की छात्रा सिम्मी कुमारी ने वर्ग नौ से 12 में प्रथम स्थान के बराबर अंक प्राप्त करने के बावजूद द्वितीय स्थान हासिल किया। गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता में मध्य विद्यालय पटखौली-मलकौली की छात्रा आशी कुमारी ने वर्ग एक से पांच में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय और प्रखंड का गौरव बढ़ाया। वहीं चित्रांकन प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय बोदसर की छात्रा निधि कुमारी ने वर्ग एक से पांच में द्वितीय स्थान हासिल किया। प्राथमिक विद्यालय बोदसर का प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा, जहां से दो छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया और दोनों ने जिला स्तर पर मेडल प्राप्त कर विद्यालय का शत-प्रतिशत परिणाम दर्ज कराया। जानकारी के अनुसार बगहा दो प्रखंड से कुल आठ छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया था, जिनमें से पांच विद्यार्थियों ने जिला स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। छात्र-छात्राओं की इस उपलब्धि पर बगहा दो प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी फूदन राम ने क्षेत्र के सभी शिक्षकों और अभिभावकों ने खुशी जताई और विजेता विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

जिला में सम्मानित होते बगहा दो के शिक्षक व छात्राएं • सौ. शिक्षक

अभिभावक शिक्षक गोष्ठी में बांटे गए मूल्यांकन परिणाम

राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर में अभिभावक शिक्षक गोष्ठी में मेधावी छात्राओं को मेड[al] व प्रगति पत्रक देकर सम्मानित करते प्रधानाध्यापक व शिक्षक • सौ. प्रधानाध्यापक

संवाद सूत्र, जागरण • बगहा: राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर में सोमवार को अभिभावक शिक्षक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय के छात्रों का वार्षिक मूल्यांकन परिणाम जारी कर अभिभावकों के बीच वितरित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य थीम "प्रवेश से प्रगति तक" रखा गया, जिसमें बच्चों की शैक्षणिक प्रगति पर विशेष चर्चा की गई। गोष्ठी के दौरान अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई, उपस्थिति और व्यवहार संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही अभिभावकों से बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहयोग की अपील की गई। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहि[त] करते हुए प्रथम, द्वितीय एवं तृत[ीय] स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों [को] मेडल एवं प्रगति पत्रक दे[कर] सम्मानित किया गया। इससे ब[च्चों] में उत्साह का माहौल देखने [को] मिला। विद्यालय के प्रधानाध्याप[क] शैलेंद्र कुमार ने बताया कि [वि]द्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रद[ान] करने के लिए लगातार प्रयास कि[या] जा रहा है। उन्होंने कहा [कि] अभिभावकों और शिक्षकों [के] सामूहिक सहयोग से ही बच्चों [का] बेहतर भविष्य सुनिश्चित किया [जा] सकता है। इस दौरान विद्यालय [के] शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक [एवं] छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

10.04.26

संवाद सूत्र, जागरण • बगहा: राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो का प्रांगण सोमवार को भावनाओं से सराबोर दिखा। सत्र 2025-26 के वर्ग-पांच के विद्यार्थियों का विद्यालय में अंतिम दिन एक यादगार और प्रेरणादायी क्षण बन गया। वर्षों तक जिस आंगन में बच्चों की किलकारियां गूंजती रहीं, वहीं से विदा लेते समय उनके चेहरे पर खुशी और उदासी दोनों के भाव स्पष्ट झलक रहे थे। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिवार द्वारा बच्चों के सम्मान के साथ हुई। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद विदाई को विशेष बनाने के लिए विद्यार्थियों ने एक सराहनीय पहल करते हुए विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। यह दृश्य अत्यंत भावुक था। प्रधानाध्यापक शैलेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिक्षा विभाग, पश्चिम चम्पारण

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

बिहार दिवस-2026
प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री निधि कुमारी कक्षा V
विद्यालय .... प्रखण्ड बगहा-2 जिला-प० चम्पारण ने
जिला स्तरीय बिहार दिवस प्रतियोगिता-2026 के आयोजित कार्यक्रम चित्रकला में भाग लिया
तथा द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

(गार्गी कुमारी)
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
प्रा शि एवं समग्र शिक्षा

(रविन्द्र कुमार)
जिला शिक्षा पदाधिकारी

शिक्षा विभाग, पश्चिम चम्पारण

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

बिहार दिवस-2026
प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री अनुष्का कुमारी कक्षा V
विद्यालय .... प्रखण्ड बगहा-2 जिला-प० चम्पारण ने
जिला स्तरीय बिहार दिवस प्रतियोगिता-2026 के आयोजित कार्यक्रम क्विज में भाग लिया
तथा द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

(गार्गी कुमारी)
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
प्रा शि एवं समग्र शिक्षा
पश्चिम चम्पारण, बेतिया।

(रविन्द्र कुमार)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
पश्चिम चम्पारण बेतिया।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org